समावेश

एक पहल...

अंक 2, नवम्बर–जनवरी 2011

समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रकाशित

संपादक की कलम से...

समावेश के प्रथम अंक के बारे में पाठकों से मिली सराहना एवं शुभकामनाएं अगला अंक प्रकाशित करने की प्रेरणा देते हैं।

कट्स द्वारा विकलांगजनों की सहभागिता से किये गये विकलांगजन सर्वे से जिले में विकलांगजनों की वास्तविक स्थिति का पता चला है। सर्वे से प्राप्त आंकड़े विकलांगजनों के लिये नई दिशा तय करने में हमारी मदद करेंगे।

चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच विकलांगजनों को संगठित कर उनको सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करवाने में सराहनीय भूमिका निभा रहा है।

इस अंक में कट्स द्वारा साईटसेवर्स के सहयोग से चलाये जा रहे **''समुदाय आधारित पुनर्वास''** कार्यक्रम में आयोजित गतिविधियाँ व उपयोगी जानकारी प्रकाशित की जा रही है। इस अंक के बारे में आपके सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

'संपादक मंडल'

प्रशासन के संग अभियान

हमारे देश में निःशक्तजन विभिन्न प्रकार के सामाजिक बहिष्कार और भेदभाव से पीड़ित हैं एवं दोहरी उपेक्षा का अनुभव कर रहे हैं। उनकी आवश्यकताऐं एवं अधिकार लगातार नजर अंदाज किये जा रहे हैं। आवश्यकता इस बात की है कि निःशक्तजनों को सामाजिक विकास के हर क्षेत्र में शामिल किया जाये जिससे उन्हें समान अवसर एवं अधिकार प्राप्त हों ताकि वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें।

हाल ही में सरकार द्वारा प्रशासन गांव के संग अभियान चलाया गया। संस्था द्वारा इस अभियान की जानकारी कार्यक्रम क्षेत्र तक पहुंचाई गई व उन्हें इस अभियान में जाकर अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम से जुड़े कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम क्षेत्र के 39 पंचायत स्तरीय शिविर व 2 ब्लॉक स्तरीय मेगा शिविर में भाग लेकर क्षेत्र के 493 विकलांगजनों को लाभ दिलाया। इस शिविर में विकलांगता प्रमाणपत्र, विकलांगता पेंशन, रेल व बस पास तथा अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़े लाभों को लेने हेतु विकलांगजनों की मदद की। सरकार द्वारा चलाया गया यह अभियान विकलांगों के लिये वरदान साबित हुआ है जिससे वे उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के प्रति जागरूक हो पाये हैं।

काली ने देखा नया सवेरा

भेरड़ा गांव चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति से लगभग 18 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत धनेतकलां का एक छोटा सा गांव है। इस गांव में बेस लाईन सर्वे के दौरान काली भील से मुलाकात हुई जो दृष्टिहीन थी। उसके पिता बालू लाल मजदूरी व माता लाड देवी खेती करते हैं। उसकी चार बहनें व एक भाई है। वह भाई बहनों में सबसे बड़ी है। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण काली का कभी ईलाज नही हो पाया।

काली की मां लाड देवी ने बताया कि काली की उम्र 13 साल है। पहले वह सब देख सकती थी परन्तु ईलाज के अभाव में धीरे धीरे उसकी आंखों की रोशनी कम होती गई और अब उसे बिल्कुल भी दिखाई नहीं देता है। लाड देवी को भी यह बात तब पता चली जब एक दिन काली बकरियां चराने गई और सामने पड़े पत्थर से टकराकर गिर गई।

स्कूल से सम्पर्क करने पर भी काली के बारे में पता चला। शिक्षकों ने बताया कि पहले वह विद्यालय आती थी परन्तु चार साल पहले उसकी हालत देख डर लगने लगा कि वह चलते चलते कही गिर न जाये, उसे डॉक्टर को भी दिखाया तो डॉक्टर ने बताया कि उसका दिल कमजोर है और उसे दिखाई नही देता इसलिये उसकी मृत्यु कभी भी हो सकती है। अतः स्कूल में उसे आने से मना कर दिया गया।

लाडदेवी को 26 दिसम्बर 2010 को भगवान महावीर सेवा समिति द्वारा जैन धर्मशाला, रेलवे स्टेशन के पास आयोजित होने वाले शिविर के बारे में बताया और काली को वहां की सलाह दी। काली को जब शिविर में दिखाया तो उसे ऑपरेशन हेतु गोमाबाई नेत्रालय एवं अनुसंधान केन्द्र नीमच रेफर किया गया। 5 जनवरी को काली को गोमाबाई नेत्रालय ले जाया गया और उसकी आंखों की जांच हुई। अगले दिन उसकी आंखों का ऑपरेशन किया गया। 19 फरवरी को पुनः जांच हेतु काली को गोमाबाई ले जाया गया तो डॉक्टरों ने बताया कि अब वह देख सकती है।

कुछ समय बाद जब काली का हाल चाल पूछने घर गये तो पता चला कि वह खेत पर सब्जियाँ तोड़ने गई है। एक छोटे से ऑपरेशन से एक बच्ची पूरी उम्र दृष्टिहीन होने से बच गयी। अब काली गाँव के दूसरे बच्चों की तरह हर काम करने में सक्षम है।

शिविर में भाग लेकर उठाया लाभ

- 16 दिसम्बर 2010 को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग व नारायण सेवा संस्थान द्वारा जैन धर्मशाला चित्तौड़गढ़ मे विकलांगजनों की पोलियो जांच व निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 35 बैशाखी व 80 ट्राईसाईकिल वितरित की गईं।
- 26 दिसम्बर 2010 को जैन धर्मशाला में महावीर मानव सेवा समिति द्वारा नेत्र स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें गोमाबाई नेत्रालय नीमच के डॉक्टरों ने जांच की। कुल 410 लोगों का पंजीयन हुआ जिसमें 200 के लगभग आंखों के मरीज थे। इनमें से 175 को ऑपरेशन के लिये रेफर किया गया।
- 27 दिसम्बर 2010 को निम्बाहेड़ा में हरीश आंजना चेरिटेबल ट्रस्ट व स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10 दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 790 विकलांगजनों का पंजीयन किया गया जिसमें से 396 आंखों के मरीज थे। इनमें 139 को ऑपरेशन हेतु रेफर किया गया।

उक्त शिविरों में संस्था द्वारा विकलांगों को प्रेरित कर शिविर का लाभ लेने हेतु जानकारी दी गई।

गणतंत्र दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष अभिसंचेता प्रसन्ना पिंचा ने चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर रावला सेंती में आयोजित कार्यकारिणी बैठक के दौरान कहा कि विकलांगजनों को अपनी स्थिति में सुधार लाने के लिये स्वयं ही संघर्ष करना होगा।

पिंचा ने कहा कि संविधान में हमें कई मौलिक अधिकार प्रदान किये गये हैं, परन्तु इसका लाभ लेने में विकलांगों की स्थिति दयनीय है। देश में लगभग 7 करोड़ विकलांगजन हैं जिनके लिये कई कानूनों का प्रावधान है परंतु इन कानूनों का क्रियान्वयन सही व प्रभावी तरीके से नहीं हो सका है।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर पिंचा व चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच के अध्यक्ष मोहन लाल जाट द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कट्स समन्वयक आशीष त्रिपाठी, जिला स्वयं सेवी संस्था मंच अध्यक्ष दिनेश जोशी, पर्यावरणविद डॉ. भगवतसिंह तंवर एवं पंचायत समिति सदस्य बद्री लाल मेघवाल ने भी विकलांगों की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। इस अवसर पर उपस्थित विकलांगजनों ने समाज में अपनी स्थिति को सुधारने हेतु एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। बैठक में पंचायत समिति निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़ और बेगूं क्षेत्र के मंच से जुड़े पदाधिकारी, चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच के पदाधिकारी तथा कट्स स्टाफ सदस्य सहित 70 लोगों ने भाग लिया।

विश्व दृष्टि दिवस पर जिला स्तरीय विचारगोष्ठी का आयोजन

विश्व मे लगभग 31 करोड़ 40 लाख लोग दृष्टिहीन या अल्पदृष्टि हैं, इनमें से हर पाँचवा व्यक्ति भारतीय है। यदि समय पर ध्यान दिया जाये तो 80 प्रतिशत तक मामलों में अंधता का बचाव संभव है। उक्त विचार स्वयं सेवी संगठन कट्स इंटरनेशनल, चित्तौड़गढ विकलांग मंच एवं जिला स्वास्थ्य समिति (अन्धता निवारण) के संयुक्त तत्वावधान में पंचायत समिति सभा कक्ष चित्तौड़गढ़ में गुरूवार को विश्व दृष्टि दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय विचार गोष्ठी में निकलकर आये।

विचारगोष्ठी में नेत्र चिकित्सक डॉ. देवेश शर्मा ने आंखों से जुड़ी बीमारियों का समय पर इलाज करवाने पर जोर दिया। ग्राम पंचायत बस्सी की पूर्व सरपंच महेन्द्र कंवर ने कहा कि आंखें शरीर का अमूल्य अंग हैं जिसकी हिफाजत करनी चाहिये। श्रीमती महेन्द्र कंवर ने नेत्रहीनता से बचने के लिये समय पर नेत्र परीक्षण पर जोर दिया।

नर्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष हेमन्त संत ने कहा कि सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास के बावजूद ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में जानकारी एवं जागरूकता का अभाव है, इसके लिये गैर सरकारी संगठन एवं सामाजिक कार्यकर्ता अपना दायित्व निभायें। चित्तौड़गढ़ जिला स्वयं सेवी संस्था मंच के अध्यक्ष दिनेश जोशी ने कहा कि विकलांगजनों के प्रति सहानुभूति की नहीं बल्कि समानुभूति की भावना होनी चाहिए।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के खण्ड कार्यक्रम प्रबन्धक जितेन्द्र ओझा ने बताया कि विकलांगजनों का सर्वे किया जायेगा ताकि उन्हें विशेष शिविर के माध्यम से सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके। पर्यावरणविद् डॉ. भगवतसिंह तंवर ने चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच द्वारा किये जा रहे प्रयास की सराहना करते हुए मंच को एक हजार रूपये का चेक प्रदान कर हौसला बढ़ाया।

इस अवसर पर चित्तौड़गढ विकलांग मंच प्रतिनिधि उदयलाल गायरी ने जिले के विकलांगजनों के सशक्तिकरण हेतु कृत संकल्प होने की बात कही। कट्स मानव विकास केन्द्र के समन्वयक आशीष त्रिपाठी ने कहा कि यह दिन अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता का दिन है जो कि हर साल अक्टूबर माह के दूसरे गुरूवार को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य 'अंधता या आंखों से संबंधित किसी भी प्रकार का विकार जिसका बचाव संभव है' विषय पर वैश्विक स्तर पर चर्चा करना है। इस वर्ष विश्व दृष्टि दिवस 2010 का विषय ''काउन्टडाउन टू 2020'' है।

ग्राम पंचायत सतपुड़ा की सरपंच कंचनबाई, अरनियापंथ के सरपंच हरिशंकर सालवी नें भी विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर अतिथियों ने कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा ''समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम'' के अन्तर्गत प्रकाशित त्रेमासिक पत्रिका 'समावेश' का विमोचन किया।

रेखा हुई आत्मनिर्भर

बेस लाईन सर्वे के दौरान 25 वर्षीय रेखा शर्मा पिता भगवती लाल से बातचीत हुई जो धनेतकलां ग्राम में निवास करती है और जन्म से ही पोलियो से ग्रसित है। वह अपने परिवार के साथ रहती है और सबकी चहेती है। रेखा ने 12वी कक्षा तक पढ़ाई पूर्ण कर एक निजी विद्यालय में पढ़ाना शुरू किया।

रेखा से चर्चा के दौरान पता चला कि कई बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने के बावजूद भी उसे सरकार द्वारा किसी प्रकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त नही हुआ। उसे स्कूल आने जाने में असुविधा होती है और स्कूल आने जाने मे किसी न किसी का सहारा लेना होता है। रेखा ने निवेदन किया कि यदि उसे ट्राईसाईकिल या बैसाखी मिल जाए तो वह दूसरों का सहारा लिये बिना अपना काम कर सकती है।

रेखा को सरकार द्वारा चलाये जा रहे प्रशासन गांवों के संग अभियान से अवगत कराते हुये उसे सरकार के इस अभियान का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। रेखा ने अपने गांव में लगे प्रशासन गांव के संग अभियान में भाग लिया और अपना विकलांगता प्रमाण पत्र व अन्य आवेदन भरा।

16 दिसम्बर 2010 को जैन धर्मशाला चित्तौड़गढ़ में नारायण सेवा संस्थान द्वारा शिविर लगाया गया जहाँ उसे बैसाखी व ट्राईसाईकिल दोनों प्राप्त हुई। रेखा खुश है कि अब उसे अपने काम के लिये किसी के सहारे की आवश्यकता नहीं होती। वह स्वयं ही अपना काम करने व कहीं भी आने जाने में सक्षम है। रेखा की थोड़ी सी जागरूकता और उसके द्वारा की गई पहल ने उसे स्वावलम्बी बना दिया।

मुख्य मंत्री
राजस्थान

अ.शा./मुमं/जसप्र/10
जयपुर दिनांक 28 NOV 2010

प्रिय श्री आशीष त्रिपाठी जी,

आप एवं श्री मदनगिरी गोस्वामी हस्ताक्षरित 21 अक्टूबर, 2010 के पत्र के साथ मुझे 'कट्स' मानव विकास केन्द्र, रावला सेंती (चित्तौड़गढ़) द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका 'समावेश' का अगस्त–अक्टूबर, 2010 का प्रथम अंक प्राप्त हुआ। इसके लिये धन्यवाद।

आशा है इस प्रकाशन के माध्यम से निःशक्तजनों को उनके लिये चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मिल सकेगी।

मैं इस प्रयास के लिये आपको साधुवाद देता हूं।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

(अशोक गहलोत)

श्री आशीष त्रिपाठी,
समन्वयक,
'कट्स' मानव विकास केन्द्र,
रावला, सेंती–चित्तौड़गढ़–312 025

DAK RECEIVED
12 NOV 2010
CUTS, CHITTORGARH

निःशक्त नहीं रहेंगे बेरोजगार

केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महात्मागांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत अधिक से अधिक निःशक्तजनों को रोजगार मुहैया कराया जायेगा।

हाल ही में अतिरिक्त आयुक्त (रोजगार गारंटी योजना) ने आदेश जारी कर सभी जिला कार्यक्रम समन्वयक रोजगार गारंटी योजना एवं जिला कलेक्टरों को निःशक्तजनों को नरेगा कार्यों पर उनकी क्षमतानुसार हल्के काम देने को कहा है।

निःशक्तजन पेंशन

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है जिसमें विधवा एवं वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों के बच्चों के बालिग होने पर पेंशन बंद करने को कहा गया था।

मुख्यमंत्री ने पेंशनर के निःशक्त बच्चे की उम्र 25 वर्ष होने तक पेंशन जारी रखने के निर्देश देते हुये इस आशय का संशोधन नियमों में करने की मंजूरी दे दी है।

आगे बढ़वा री आस

ग्राम पंचायत नेतावल गढ़ पाछली के गांव भैरूसिंहजी का खेड़ा में 16 वर्षीय कालूराम व किशनलाल धाकड़ निवास करते हैं। दोनों जुड़वा भाई हैं और बचपन से ही दोनों के पैर खराब हैं। जब वे 2 महीने के थे उनके पिता चल बसे।

दोनों अपनी माता के सहारे रहते थे। इनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है। मजदूरी कर कालू व किशन की मां बच्चों का लालन पालन करती है। कालू व किशन ने आठवी कक्षा उत्तीर्ण कर 10वीं का प्राईवेट फॉर्म भरा व अच्छे अंकों से पास हुये। अब दोनों 12वीं की तैयारी कर रहे हैं।

अपने आप को आत्म निर्भर बनाने हेतु दोनों ने एक छोटी सी किराने की दुकान घर पर ही चालू कर ली। दुकान चलाने के लिये उन्हें दूसरों के सहारे की आवश्यकता होती थी। कालुराम को सांवरियाजी ट्रस्ट से एक साईकिल मिली परंतु अब दिक्कत यह थी कि दोनों के बीच एक ही साईकिल थी। यदि एक साईकिल लेकर चला जाता दो दूसरा आने जाने के लिये परेशान होता या दोनों को एक साईकिल उपयोग लेनी पड़ती।

जब उन्हें नारायण सेवा संस्थान द्वारा जैन धर्मशाला में लगाये गये शिविर में ट्राईसाईकिल प्रदान की गई तो दोनों बहुत खुश हुये। अब दोनों भाई काम करने के लिये स्वतंत्र व सक्षम हो गये। एक दुकान संभालता है तो दूसरा भाई बाहर से सामान लाने का काम कर लेता है।

प्रशासन गांव के संग अभियान में दोनों के बस पास भी बनवाये गये। अब दोनों पढ़ लिखकर आगे बढ़ना चाहते हैं और अपने परिवार का नाम रोशन करना चाहते हैं।

बेसलाईन सर्वे प्रशिक्षण

चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच का गठन

विकलांग मंच के बढ़ते कदम

जिले में विकलांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने व उनकी स्थिति सुदृढ़ करने हेतु चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच बनाने की पहल की गई। इस हेतु चित्तौड़गढ़ के दूरस्थ गांवों से विकलांगों को एक मंच पर एकत्र किया गया ताकि वे अपनी बात कह सकें। इस मंच का मनोबल बढ़ाने हेतु विश्व दृष्टि दिवस 2010 को पर्यावरणविद् डॉ. भगवत सिंह तंवर ने चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच को 1000 रूपये का चेक प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया।

3 दिसम्बर 2010 को विश्व विकलांग दिवस के उपलक्ष्य में विकलांगजनों की सर्वसम्मति से 21 लोगों की कार्यकारिणी गठित की गई। इस दिन महिलाओं सहित 185 विकलांगजनों ने भाग लेकर अपनी ताकत का एहसास कराया। इस मंच ने प्रशासन गांव के संग अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया व विकलांगों को लाभान्वित करवाया।

26 जनवरी 2011 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष अभिसंचेता प्रसन्ना पिंचा ने मंच के साथ बैठक की व मंच के अध्यक्ष मोहनलाल जाट के साथ ध्वजारोहण में भाग लिया।

आज मंच में प्रत्यक्ष रूप से 100 व अप्रत्यक्ष रूप में लगभग 500 विकलांगजन जुड़े हैं।

विकलांग मंच का बढ़ाया मनोबल

शिविर में लिया बढ़चढ़कर भाग

विकलांगों को मुख्यधारा से जोड़ने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला

खुशी से मनाया गणवंत्र दिवस

मीडिया

विश्व विकलांग दिवस पर जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित

विकलांग मंच का गठन

वरदान साबित हो रहे हैं शिविर

विकलांग मंच की बैठक आयोजित

विकलांग मंच की बैठक आयोजित

विकलांग मंच का गठन

विकलांग दिवस पर सम्मेलन

सरकारी योजनाओं का उठाएं लाभ

विश्व विकलांग दिवस पर जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित

जीवन सुधार में आगे आएं

विकलांग मंच की बैठक आयोजित

विश्व विकलांग दिवस पर जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित

विकलांग मंच का गठन

सीएम को पोस्टकार्ड लिखेगा विकलांग मंच

पत्रिका संवाददाता @ चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच जिला कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को रावला सेंती में हुई।

बैठक में जिलाध्यक्ष मोहनलाल जाट ने बताया कि प्रशासन गांवों के संघ शिविर के माध्यम से विकलांगों

मुद्रक : एम. एस. प्रिण्टर्स

कट्स मानव विकास केन्द्र
सेंती (रावला), चित्तौड़गढ़ 312025, फोन : (01472) : 241472 फैक्स : 247715
E-mail: chd@cuts.org, Website: www.cuts-international.org